

**साहित्य अध्ययन पीठ (स्कूल ऑफ़ लेटर्स) के तहत
भारतीय भाषा एवं ज्ञान-प्रणाली अभिलेखागारीय अनुसंधान
केंद्र (सीआरए-आईआईएलकेएस) के लिए अकादमिक फ़ेलो (अनुसंधानकर्ता)
की आवश्यकता हेतु विज्ञापन**

संदर्भ- AUD/1/CRA-IILKS/2022

दिनांक- 17 फरवरी, 2022

डॉ. भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली को अपनी साहित्य अध्ययन पीठ (स्कूल ऑफ़ लेटर्स) के तहत भारतीय भाषा एवं ज्ञान-प्रणाली अभिलेखागारीय अनुसंधान केंद्र (सीआए-आईआईएलकेएस) के रिसर्च प्रोजेक्ट के लिए अकादमिक फ़ेलो (अनुसंधानकर्ता) की आवश्यकता है।

पद-नाम	प्रकृति	पद-संख्या
अकादमिक फ़ेलो (अनुसंधानकर्ता)	प्रोजेक्ट की आवश्यकतानुसार अल्पावधि के लिए	नौ (9)

चुने गये अभ्यर्थियों को छह महीने के लिए नियुक्ति प्राप्त होगी। इस अवधि को बढ़ाने का निर्णय रिसर्च प्रोजेक्ट की जरूरतों और अनुसंधान केंद्र के निदेशक और साहित्य अध्ययन-पीठ के अधिष्ठाता (डीन) द्वारा किये गये मूल्यांकन पर आधारित होगा।

पारिश्रमिक- एक लाख रुपए (१,००,००० रुपए) प्रति माह का समेकित वेतन

पात्रता-

1. अभ्यर्थी को किसी भी अकादमीय संस्था से जुड़े हो कर संबंधित अनुशासनों में बेहतरीन उपलब्धियाँ प्रदर्शित करनी होंगी, और संबंधित अनुशासनों में उल्लेखनीय योगदान दिखाना होगा।

वांछित योग्यता—

- * समाज-विज्ञानों और मानविकी में स्नातकोत्तर डिग्री और पीएचडी।
 - * पीएचडी पूरी करके जमा कर चुके अभ्यर्थी भी आवेदन कर सकते हैं।
 - * पीएचडी के समकक्ष लेखन-प्रकाशन कर चुके अभ्यर्थियों के आवेदनों पर भी विचार किया जाएगा।
2. आवेदकों को समाज-विज्ञान और मानविकी के क्षेत्र में उच्च कोटि के अनुसंधान-कार्य में दक्ष होने का अनिवार्य प्रमाण देना होगा। इसी के साथ उन्हें भारतीय भाषाओं, खासकर हिंदी, उर्दू, पंजाबी और संस्कृत में से किसी एक में अनुवाद, प्रतिलेखन और संपादन में प्रवीणता दिखानी होगी। प्रतिष्ठित अकादमीय पत्रिकाओं में और भारतीय भाषाओं के प्रकाशकों द्वारा अपनी रचनाओं के प्रकाशनों के जरिये इन क्षमताओं को प्रमाणित किया जा सकता है।
 3. आवेदकों से अपेक्षा की जाती है कि वे विचार-गोष्ठी, सम्मेलन, संवाद और व्याख्यान जैसे अकादमीय कार्यक्रमों के आयोजन में कुशल होंगे।
 4. आवेदकों को किसी अकादमीय संस्थान में अध्यापक, अनुसंधानकर्ता या प्रोजेक्ट इन्वेस्टीगेटर के रूप में काम करने का अनुभव होना चाहिए। संस्थागत नियमों के साथ प्रतिबद्धता एक आवश्यक शर्त है।
 5. भारतीय भाषा एवं ज्ञान-प्रणाली अभिलेखागारीय अनुसंधान केंद्र का लक्ष्य विचारों के वि-उपनिवेशीकरण की प्रक्रिया को आगे बढ़ाना है। इसलिए ऐसे आवेदकों को प्राथमिकता दी जाएगी जिन्हें पश्चिमी सामाजिक सिद्धांत की आलोचना की जानकारी हो और वे 'अंग्रेजी साम्राज्यवाद' जैसे सूत्रीकरणों से वाकिफ़ हों।

आवेदन-

1. बेहतर होगा कि पीडीएफ़ या वर्ड फ़ाइल के रूप में ईमेल से भेजा गया आवेदन हिंदी या अंग्रेजी में हो और साथ में सभी जरूरी दस्तावेज़ संलग्न किये गये हों। आवेदन भेजने का

पता होगा— deansol@aud.ac.in एवं abhaydubey@aud.ac.in

2. आवेदक के करीकुलम वाइटी (शैक्षिक एवं कार्य-विवरण) में पूरा अकादमीय रिकॉर्ड, प्रकाशनों की पूरी सूची, दो प्रकाशित नमूने (किताब के अध्याय या अनुसंधान-लेख या अनुवाद-प्रतिलेखन-सम्पादित रचनाएँ आदि) शामिल होना चाहिए। प्रत्येक दस्तावेज़ स्वप्रमाणित किया जाना जरूरी है।

3. विचारों के वि-उपनिवेशीकरण के संबंध में आवेदक के मंतव्य पर प्रकाश डालने वाला एक संक्षिप्त वक्तव्य (पाँच सौ से हजार शब्द) संलग्न किया जाना चाहिये।
4. दो विद्वान रैफ़रियों के नाम और पते भी दिये जाने चाहिए।

चयन-प्रक्रिया-

अनुसंधान केंद्र द्वारा किये गये पात्रता-संबंधी विचार के बाद छॉटे गये आवेदकों को इसी काम के लिए गठित एक साक्षात्कार समिति के सामने आने के लिए सूचित किया जाएगा। साक्षात्कार डॉ. बी.आर. अम्बेडकर विश्वविद्यालय के कश्मीरी गेट परिसर में होगा।

आवेदन देने की अंतिम तिथि- 7 मार्च, 2022

अधिष्ठाता (साहित्य अध्ययन-पीठ)